Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
M.B.R.R.V.Pd. College, Ara

Functionalism (कार्यात्मकतावाद)

1. **परिचय (Introduction)**

   कार्यात्मकतावाद मनोविज्ञान की एक प्रमुख विचारधारा है, जिसका विकास संरचनावाद (Structuralism) की प्रतिक्रिया के रूप में हुआ। इस विचारधारा का मुख्य उद्देश्य यह जानना है कि मानसिक प्रक्रियाएँ और व्यवहार किस प्रकार व्यक्ति को अपने पर्यावरण के साथ अनुकूलन करने में सहायता करते हैं।

2. **कार्यात्मकतावाद की परिभाषा (Definitions)**

   कार्यात्मकतावाद वह दृष्टिकोण है जो यह अध्ययन करता है कि चेतना, सोच, भावना और व्यवहार जीव के जीवित रहने और पर्यावरण से सामंजस्य स्थापित करने में कैसे सहायक होते हैं।

3. **कार्यात्मकतावाद की मुख्य विशेषताएँ**

   - मानसिक प्रक्रियाओं का कार्य (Function)

     सोच, स्मृति, भावना, सीखना – ये सब किस काम के लिए हैं, इस पर ध्यान।

   - चेतना का अध्ययन

     चेतना को लगातार बहने वाली धारा (Stream of Consciousness) माना गया।

   - व्यवहार का व्यावहारिक दृष्टिकोण

     मनोविज्ञान को जीवन की वास्तविक समस्याओं से जोड़ा गया।

   - अनुकूलन (Adaptation) पर ज़ोर

     व्यवहार हमें वातावरण के अनुसार ढलने में मदद करता है।

Edit with WPS Office

4. **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि (Historical Background)**
    - 19वीं शताब्दी के अंत में अमेरिका में विकास
    - डार्विन के विकासवाद (Theory of Evolution) से गहरा प्रभाव
    - संरचनावाद की सीमाओं के कारण कार्यात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता महसूस हुई

5. **कार्यात्मकतावाद के प्रमुख प्रवर्तक**

    (i) विलियम जेम्स (William James)
    - कार्यात्मकतावाद के जनक
    - पुस्तक: Principles of Psychology (1890)
    - चेतना को Stream of Consciousness कहा।
    - चेतना की 5 विशेषताएँ:
        a. चेतना व्यक्तिगत होती है।
        b. चेतना निरंतर परिवर्तनशील होती है।
        c. चेतना निरंतर प्रवाहमान होती है।
        d. चेतना चयनात्मक (Selective) होती है।
        e. चेतना उद्देश्यपूर्ण होती है।

    निष्कर्ष: चेतना को टुकड़ों में नहीं बाँटा जा सकता।

    (ii) जॉन डीवी (John Dewey)
    - रिफ्लेक्स आर्क कॉन्सेप्ट की आलोचना
    - शिक्षा मनोविज्ञान में योगदान

    (iii) जेम्स आर. एंजेल (James R. Angell)
    - कार्यात्मकतावाद को व्यवस्थित रूप प्रदान किया

Edit with WPS Office

6. **कार्यात्मकतावाद के मूल सिद्धांत (Basic Assumptions)**
   - मानसिक प्रक्रियाएँ उद्देश्यपूर्ण (Purposive) होती हैं
   - चेतना निरंतर बहने वाली प्रक्रिया है
   - व्यवहार का अध्ययन पर्यावरण के संदर्भ में किया जाना चाहिए
   - मन और शरीर में कार्यात्मक एकता होती है
   - मनोविज्ञान एक व्यावहारिक विज्ञान है

7. **अनुसंधान विधियाँ (Methods Used)**
   - आत्मनिरीक्षण (Introspection)
   - प्रयोगात्मक विधि (Experimental Method)
   - अवलोकन विधि (Observation)
   - तुलनात्मक विधि (Comparative Method)

8. **संरचनावाद और कार्यात्मकतावाद में अंतर**

बिंदु.	संरचनावाद.	कार्यात्मकतावाद
फोकस	मन की संरचना	मन के कार्य
मुख्य प्रश्न	मन किससे बना है?	मन क्या करता है?
प्रवर्तक	वुंट, टिचनर	विलियम जेम्स
दृष्टिकोण	विश्लेषणात्मक	व्यावहारिक

Edit with WPS Office

9. योगदान (Contributions of Functionalism)

- Applied Psychology का विकास
- Educational Psychology को बढ़ावा
- Industrial & Organizational Psychology की नींव
- Behaviorism के विकास में सहायक
- बाल एवं पशु मनोविज्ञान पर प्रभाव

10. आलोचनाएँ (Criticisms)

- स्पष्ट सिद्धांतों का अभाव
- बहुत अधिक सामान्य और अस्पष्ट
- नियंत्रित प्रयोगों की कमी
- संरचनात्मक विश्लेषण की उपेक्षा

11. निष्कर्ष (Conclusion)

- कार्यात्मकतावाद ने मनोविज्ञान को केवल चेतना के अध्ययन से तथा व्यवहार और अनुकूलन के वैज्ञानिक अध्ययन की ओर मोड़ा।
- यह आधुनिक मनोविज्ञान के विकास में एक मील का पत्थर सिद्ध हुआ।

Edit with WPS Office